Carpenter's monthly newspaper

कारपेंटर्स न्यूज

www.carpentersnews.com

R.N.I.No.MAHHIN/2005/16460 | Postel Regd. No. MCW/321/2022-24
Posted at Delisle Road, Mumbai-400013. On 20th of Every month | Published on Every 10 th day of the month

मासिक समाचार पत्र

मुंबई | अगस्त 2023 | वर्ष : 18 | अंक : 09 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

मटेशिया एक्जीबिशन में E3... पेज - 2

37 Growing Years

Since 1986
Suzu®
An ISO 9001:2015 Certified Company | CE Certified

INDIA'S 1ST STAINLESS STEEL SHACKLE Padlocks ...Series...
INDIA'S 1ST S.S HINGES MANUFACTURER Hinges ...Series...

GLORIOUS RANGE OF
PREMIUM HARDWARE
PRODUCTS

Taps
NEW ARRIVAL
Toilet Seat Cover
NEW ARRIVAL
Flutter Hinges
Padlocks
Suzu SZ-7000 60 MM 12 PINS
Mortise Handle
Screws
NEW ARRIVAL
Bathroom Accessories
NEW ARRIVAL
Cabinets
NEW ARRIVAL

PROUDLY MADE IN INDIA

+91-9811242777
+91-9911118272

Follow us on social media:

Padlocks | Butt Hinges | Aldrops | Screws | Door And Window Fittings | Cabinet Hinges | Door Closers | Mortise Handles | MPL Locks | Shutter Locks | Godown Locks | Main Door Locks

Head Office : 110 I.D.C. Hissar Road, Rohtak - 124001 Haryana (INDIA)
Corporate Office : 209-B, 2nd Floor Crown Heights, Near Rithala Metro Station, Rohini Sector 10, New Delhi - 110085 (INDIA)
Explore Suzu Virtual World
www.suzusteel.com www.suzu.in
CUSTOMER HELPLINE TOLL FREE NUMBER 1800 12000 4005
Time : 10 AM To 7 PM (Monday - Saturday)
MAKE IN INDIA

दुनिया ने देखी तिरंगे की ताकत

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से जब तिरंगा आन-बान-शान के साथ लहराएगा, तब यह केवल एक वार्षिक उत्सव मात्र नहीं होगा, बल्कि इतिहास से सीख लेकर वर्तमान को अपने में समेटे हुए एक नई यात्रा की ओर प्रस्थान होगा। यह इसलिए भी ऐतिहासिक होगा क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10वीं बार झंडारोहण करेंगे। भारत देश का इतिहास प्राचीन और सूर्य जितना ही तेजस्वी है तो आकाश जितना ही विशाल भी है। ज्ञान-विज्ञान और समृद्धि से सजा, शौर्य-आध्यात्म और कलाकारी से छलकते गौरवशाली भारत को जब अंग्रेजी हुकूमत ने गुलामी की बेड़ियों में जकड़ा तब आजादी के दीवानों ने अलख जगाई। अनगिनत बलिदान के बाद अंग्रेजों की गुलामी से भारत आजाद हुआ। लेकिन जिस देश को कभी सपेरों का देश कहा जाता था, वह देश अपने पहले प्रयास में मंगल तक पहुंचा। मेक इन इंडिया, इन तीन शब्दों ने दुनिया में देश का नाम ऊंचा कर दिया। आज हर घर में बिजली है, हर हाथ में मोबाइल फोन है, हर जेब में डिजिटल पहचान, हर खाते में डायरेक्ट बेनिफिट, हर रसोई में स्वच्छ ईंधन और हर आवास में शौचालय की सुविधा सम्मान का जीवन दे रही है। स्वच्छता और योग नए भारत के संस्कार बन चुके हैं। वसुधैव कुटुंबकम् की भावना से पूरा विश्व हमारा परिवार एक सोच बन चुकी है। जिस भारत के बिखरने की भविष्यवाणी अंग्रेजों ने की थी, वह आज 140 करोड़ की आबादी के साथ विशाल लोकतंत्र के रूप में निखर चुका है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आज विश्व के हर महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय फोरम में आत्मविश्वास से भरे भारत की गूंज सुनाई दे रही है। हमें तिरंगे की ताकत वहां दिखी, जब बसों पर तिरंगा देख किसी ने चेकिंग के लिए नहीं रोका। एयरपोर्ट तक लाने के लिए बसों में भारत का झंडा लगाया गया, झंडा लगाने के बाद वहां की सेना भी चेकिंग के लिए नहीं रोक रही थी। तिरंगे का क्या महत्व है, हमें यूक्रेन में पता चला। आजादी का अमृत महोत्सव जनभागीदारी, यानी सबका प्रयास इस उत्सव की मूल भावना रही है। अब प्रधानमंत्री ने अमृत काल को कर्तव्य काल नाम दिया है, तो इसमें भविष्य के संकल्प भी हैं और विकास तथा विरासत भी है।

गांवों में बनेगा विश्वकर्मा संकुल

एक छत के नीचे सभी सुविधाएं

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गांवों को स्मार्ट विलेज में बदलने के निर्देश देते हुए कहा कि अब हर गांव में मॉल की तर्ज पर विश्वकर्मा संकुल खोला जायेगा। इसके जरिये ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिलेगी। इसमें ग्रामीण श्रमिकों को कौशल प्रदर्शन का मौका मिलने के साथ एक ही छत के नीचे सारी व्यवस्थाएं मिलेंगी। यहां वे अपने उत्पाद तैयार कर प्रदर्शित कर बेच सकेंगे। मुख्यमंत्री योगी ने सूक्ष्म लघु मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विभाग के कामकाज की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिया। उन्होंने लखनऊ, गोरखपुर समेत प्रदेश के सभी बड़े रेलवे स्टेशनों, गांधी आश्रम, पर्यटन विभाग के होटलों व आवास गृह सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर ओडीओपी उत्पादों की ब्रिकी के निर्देश देते हुए कहा कि हर जिले में एक-एक हफ्ते के लिए ओडीओपी की प्रदर्शनी लगाई जाएं। फ्लिपकार्ट, अमेजन व लुलु ग्रुप के साथ मिलकर ओडीओपी का प्रचार हो। ओडीओपी की सप्लाई चेन और मजबूत करने व मांग के अनुसार उत्पाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कारीगरों को सराहा

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम जन्मभूमि परिसर जाकर रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई। मंदिर निर्माण में प्रगति देख वे आनंदित हो उठे। उन्होंने इंजीनियरों व कारीगरों की भी सराहना की। इससे पहले योगी ने हनुमंत लला के दरबार में दर्शन-पूजन किया। राम मंदिर निर्माण की कार्यदाई संस्था के इंजीनियरों ने सीएम को मंदिर निर्माण की प्रगति से अवगत कराया।

मटेशिया एक्जीबिशन में E3

नई दिल्ली। भवन निर्माण व आंतरिक साज सज्जा से जुड़े उत्पादों की प्रदर्शनी मटेशिया एक्जीबिशन का आयोजन 22, 23 व 24 सितंबर 2023 को दिल्ली के प्रगति मैदान में किया गया है। इस आयोजन में E3 ग्रुप भी भाग ले रही है।

E3 ग्रुप देश भर में चैनल भागीदारों के एक विस्तृत नेटवर्क के साथ भारत में आंतरिक उत्पादों के शीर्ष निमार्ता है। समूह देश भर में अपनी उत्पादन सुविधाओं में विभिन्न प्रकार के आंतरिक और बाहरी उत्पादों का उत्पादन करता है। समूह की कंपनियां पीवीसी एज बैंड, यूवी पैनल, कृत्रिम घास, क्लैड सीमलेस पैनल, एसीपी, एचपीएल, लैमिनेट्स आदि का उत्पादन कर रही है। E3 ग्रुप के उत्पादों को स्टाल- B 8, हॉल-5 GF में अवलोकन किया जा सकता है।

बिल्डिंग से गिरा पेंटर, मौत

मुंबई। विरार फाटा स्थित पी.आर. सरकार ट्रस्ट के आश्रम स्कूल की बिल्डिंग में पेंटिंग का काम करते समय संतुलन बिगड़ने से नीचे गिरे मजदूर युवक (20) की मौत हो गई। बोईसर क्षेत्र स्थित पी. आर. सरकार ट्रस्ट के आश्रम स्कूल की बिल्डिंग में शुभम गोपालराव नामक युवक 15 जुलाई को बिल्डिंग की पेंटिंग का काम कर रहा था। काम करते समय अचानक शुभम का संतुलन बिगड़ जाने के कारण वह नीचे गिर गया। गंभीर रूप से घायल युवक को लोगों ने पास के अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस मामले में नालासोपारा पुलिस ने अकस्मात मौत का मामला दर्ज किया है।

कजरी गायन को बढ़ावा देगी यूपी सरकार

लखनऊ। प्रदेश में लोक कला को संरक्षित करने व लोक कलाकारों की प्रतिभा को बेहतर अवसर देने के लिए सरकार कजरी महोत्सव को भव्यता से आयोजित करेगी। इसके तहत प्रदेश के छह जिलों में गायन, वादन, नृत्य आदि विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए 50 लाख रुपये का बजट भी स्वीकृत किया गया है। आजमगढ़ में आयोजित होने वाले कजरी महोत्सव के कार्यक्रमों के लिए 25 लाख, अयोध्या, वाराणसी, मिजार्पुर, बस्ती व गोरखपुर के लिए 5-5 लाख रुपये की स्वीकृत की गई है। संस्कृति निदेशालय ग्राम पंचायत स्तर पर सक्रिय भजन कीर्तन मंडली, नुक्कड़ नाटक मंडली, स्थानीय लोकगीत / लोकनृत्य, भजन, संस्कार गीत मंडलियों को सक्रिय करने का प्रयास कर रहा है।

हार्डवेयर व्यवसायी ने दुकान में लगायी फांसी

धनबाद। बरटांड़ स्थित भवानी हार्डवेयर दुकान के संचालक निर्मल वर्णवाल ने अपनी दुकान में फांसी लगाकर जान दे दी। आसपास के दुकानदारों ने बताया कि निर्मल ने सुबह करीब नौ बजे अपनी दुकान खोली थी। पूजा पाठ किया फिर उसकी दुकान बंद हो गयी, लेकिन बाहर से ताला नहीं लगा था। इस बीच एक ग्राहक आकर घूम गया। कुछ समय बाद फिर एक ग्राहक आया तो पता चला कि दुकान अंदर से बंद है। आसपास के दुकानदार दुकान को खोलने का प्रयास किया। अंदर से किसी की आवाज नहीं आयी तो किसी अप्रिय घटना की आशंका पर धनबाद पुलिस को सूचना दी गयी।

वाहन की टक्कर से कारपेंटर की मौत

वाराणसी। रामेश्वर हरहुआ पंचक्रोशी मार्ग पर भटौली गांव के समीप तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से हीरमपुर निवासी जितेंद्र विश्वकर्मा (27) की मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि जितेंद्र वाराणसी स्थित एक निजी कंपनी में कारपेंटरी का काम करता था। रोजाना की तरह वह अपना काम निपटाकर रात में बाइक से घर लौट रहा था। पंचक्रोशी मार्ग पर भटौली के पास पहुंचा था कि तेज रफ्तार वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि जितेंद्र की बाइक क्षतिग्रस्त हो गई और उसके सिर, गर्दन व पैर में गंभीर चोट लगी। मौके पर पहुंची पुलिस उसे हरहुआ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई, जितेंद्र के पास से मिले आधार कार्ड की मदद से उसकी पहचान हुई और परिजनों को सूचना दी गई।

साइंस क्विज प्रतियोगिता में जम्मू और सांबा जिलों के छात्रों ने लिया भाग

जम्मू। श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी एंड रिसर्च सेंटर, न्यू प्लॉट्स, जम्मू की ओर से साइंस क्विज कम्पटीशन का आयोजन किया गया, जिसमें सात टीमों ने भाग लिया। प्रत्येक टीम में तीन सदस्य शामिल थे। कार्यक्रम लाइब्रेरी के संयोजक रमेश अंगोत्रा की अध्यक्षता में आयोजित इस प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि सुदर्शन सलारिया उपस्थित रहे। समाजसेवी बलवंत कटारिया क्विज मास्टर थे, जिनकी प्रस्तुति ने दैनिक जीवन में विज्ञान की भूमिका को दशार्या। जम्मू और सांबा जिलों से शामिल छात्र सात टीमों में पहली टीम - नेहा वर्मा, अंजलि वर्मा, रितिका वर्मा, दूसरी टीम - कृतिका कटारिया, वंशिका धीमान, अखिलेश बलोतरा, तीसरी टीम - आकांक्षा वर्मा, गणेश कुमार, मिस्टी, चौथी टीम - तन्नु वर्मा, मनीषा वर्मा, अंशुल बलोतरा, पांचवीं टीम - भारती शर्मा, राधिका कटारिया, कामिनी वर्मा, छठवीं टीम- राधिका वर्मा, हंसित अंगोत्रा, विशाखा चरगोत्रा, सातवीं टीम- शिवानी कटारिया, राजन कटारिया, काश्वी वर्मा शामिल रहे।

तीसरी टीम 85 में से 70 अंकों के साथ प्रथम स्थान पर रही और उसे 2100/- रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया। छठवीं टीम 65 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रही और

उसे 1500/- रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया और दूसरी टीम 50 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रही और उसे 900/- रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया। अन्य टीम को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

सुदर्शन सलारिया ने कहा कि ऐसे उपयोगी कार्यक्रम जिसमें विचार मंथन होता है, इससे नई पीढ़ी में वैज्ञानिक सोच पैदा होती है जो कई अंधविश्वास का मुकाबला करने के लिए आवश्यक है। क्विज मास्टर बलवंत कटारिया की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने बहुत ही सरल तरीके से प्रश्नों को प्रस्तुत किया, जिसे एक आम आदमी भी समझ सकता है और इस तरह यह कार्यक्रम और भी आकर्षक बन गया। उपाध्यक्ष राज चलोत्रा ने कहा कि अगर ठीक से पढ़ाया जाए तो विज्ञान बहुत दिलचस्प विषय है। इस अवसर पर अवतार चंद वर्मा, राम पाल चारगोत्रा, प्रजापति सभा से एफ.सी सतिया और मदन बलदोत्रा, सैन समाज से राजिंदर सिक्का, रतन अत्तरी, वीणा चलोत्रा, मास्टर कुलदीप राज उपस्थित रहे। आयोजक टीम में जोगिंदर अंगोत्रा, ओम प्रकाश कटारिया, ऋतिक मलगोत्रा, विशाल अंगोत्रा और दिव्यांश धीमान शामिल रहे।

कारपेंटर्स न्यूज़

RNI NO. MAHHIN/2005/16460

संपर्क करें : Mo. **9320566633/7588951633** | Email: carpentersnews@gmail.com
हमें फॉलो करें : **Facebook.com/carpentersnews** | **Telegram: https://t.me/carpenters_news**

मुंबई | अगस्त 2023 | वर्ष : 18 | अंक : 09 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

मार्बल पैलेस दुबई का सबसे महंगा घर

ब्लूमबर्ग के अनुसार दुबई में मार्बल पैलेस नामक एक मैंशन बिक्री के लिए रखा गया सबसे महंगा घर बन गया है। इसकी कीमत 750 मिलियन दिरहम (करीब 1,675 करोड़) रखी गई है। यह मैंशन एमिरेट्स हिल्स में स्थित है। इसके इच्छुक खरीदारों में एक भारतीय शामिल है जिसके पास एमिरेट्स हिल्स में पहले से तीन संपत्तियां हैं।

कानपुर में होगी विश्वकर्मा समाज की विशाल रैली

लखनऊ। अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा की ओर से नवंबर महीने में कानपुर में विश्वकर्मा समाज की विशाल रैली आयोजित की जाएगी। प्रदेश में 10 सितंबर से 17 सितंबर तक भगवान विश्वकर्मा पूजा दिवस सप्ताह मनाया जायेगा। मकबूल गंज स्थित विश्वकर्मा मंदिर सभागार में अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के पदाधिकारियों की बैठक में सभी राष्ट्रीय और प्रदेश नेताओं को सितंबर महीने में एक सप्ताह अपने अपने जनपद में रहकर विश्वकर्मा पूजा दिवस सप्ताह मनाने का निर्देश दिया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व शिक्षा मंत्री रामआसरे विश्वकर्मा ने महासभा के पदाधिकारियों को जिला कमेटियों को सक्रिय व पुनर्गठित करने व विधानसभा और ब्लॉक स्तर पर कमेटी बनाने तथा समाज को गांव गांव तक जोड़ने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि महासभा के पदाधिकारी महासभा की नीतियों व कार्यक्रमों को सोशल मीडिया के माध्यम से जन-जन तक पहुंचा कर आम जनमानस को संगठन से जोड़ने का काम करें।

विश्वकर्मा ने कहा कि भाजपा राज में विश्वकर्मा समाज की लगातार उपेक्षा और अपमान हो रहा है। समाज के नौजवानों को नौकरी,रोजगार न मिलने से उन्हें निराशा है। भाजपा सरकार ने विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना चलाया, लेकिन इसका लाभ विश्वकर्मा समाज को नहीं मिला। पी.एम. विश्वकर्मा कौशल सम्मान केवल समाज को गुमराह करने वाला है। विश्वकर्मा ब्रिगेड की टीम विश्वकर्मा समाज के उत्पीड़न अत्याचार की लड़ाई को लड़ने के लिए व समाज को सुरक्षा देने के लिये बनाया गया। उसमें ज्यादा नौजवानों को जोड़ने की जरूरत है। समाज के वकील, डॉक्टर, शिक्षक, पत्रकार पढ़े लिखे लोगों का बुद्धिजीवी सेल बनाकर संगठन में जोड़ने का काम करें। विश्वकर्मा समाज की बुनियादी लड़ाई को लड़ने के लिए ही संगठन को तैयार किया गया है। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष अच्छेलाल विश्वकर्मा व संचालन राष्ट्रीय महासचिव राजेश विश्वकर्मा ने किया। बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इं. विजेश शर्मा, राष्ट्रीय सचिव विश्वनाथ विश्वकर्मा, राष्ट्रीय सचिव डा. शशिकांत शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष अच्छेलाल विश्वकर्मा, कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष रामअवतार विश्वकर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष सूरजबली विश्वकर्मा, प्रदेश सचिव हरेन्द्र विश्वकर्मा, प्रदेश सचिव गब्बूलाल विश्वकर्मा, प्रदेश सचिव मदनमोहन विश्वकर्मा, प्रदेश सचिव लल्लन शर्मा, प्रदेश सचिव राजकुमार विश्वकर्मा, वरिष्ठ समाजसेवी चन्दन विश्वकर्मा, महिला प्रदेश सचिव शीला विश्वकर्मा ने भी संबोधित किया।

प्रेम कुमार राणा कार्यवाहक अध्यक्ष मनोनीत

मुंबई। झारखंड राज्य के विश्वकर्मा समाज की सामाजिक संस्था राणा विश्वकर्मा सेवा समिति की बैठक अंधेरी (पूर्व) स्थित आशीर्वाद चाल हॉल में आयोजित की गई। संस्था के केंद्रीय अध्यक्ष रामजीवन राणा ने कहा कि समाज को जोड़ने का काम युवाओं को देने से ही समाज एकजुट हो सकता है। उन्होंने कहा कि मुंबई में झारखंड राज्य के विश्वकर्मा समाज को संगठित कर एक मंच पर लाना हमारा उद्देश्य है। इस अवसर पर सभी सदस्यों की सहमति से चतरा जिले के रहने वाले प्रेम कुमार राणा को संस्था का कार्यवाहक अध्यक्ष मनोनीत किया गया। बैठक चर्चा सत्र में आपसी सहयोग के लिए बचत योजना, सदस्यों के लिए ग्रुप मेडिक्लेम इंश्योरेंस, बच्चों के शिक्षण जैसे विभिन्न विषयों पर सदस्यों ने अपनी बात रखी। इस अवसर पर संस्था के उपाध्यक्ष संजय शर्मा, राष्ट्रीय सचिव कामदेव राणा, सलाहकार महेंद्र राणा, राष्ट्रीय सचिव रामस्वरूप राणा, महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष सुरेश राणा, प्रदेश सचिव गणेश राणा, रंजीत राणा, महेश राणा, दिलीप राणा आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विश्वकर्मा समाज की राजनैतिक रैली 20 को

सतना। बाबा घाट रीवा स्थित विश्वकर्मा मंदिर में विश्वकर्मा विकास परिषद रीवा इकाई की बैठक आम आदमी पार्टी के नेता आर.सी. विश्वकर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। 20 अगस्त को सतना में होने जा रही विश्वकर्मा समाज की राजनैतिक भागीदारी रैली के आयोजन को सफल बनाने की अपील की गई।

सतना से पहुंचे रामकुमार विश्वकर्मा ने कहा कि राजनैतिक भागीदारी रैली इस लिए आयोजित की जा रही है कि विश्वकर्मा समाज को भी राजनैतिक दल समूचे मध्य प्रदेश में कहीं न कहीं से टिकट दें। विश्वकर्मा समाज के लोग जीत कर विधानसभा में पहुंचे और अपने समाज की बात विधानसभा में उठायें। सभा को विश्वकर्मा विकास परिषद रीवा के अध्यक्ष पुरुषोत्तम विश्वकर्मा ने कहा कि जत्थे के रूप में रीवा से सतना विश्वकर्मा के लोग जाएंगे और अपनी राजनैतिक भागीदारी निभायेंगे।

बैठक में सलिश कुमार विश्वकर्मा, दयानंद विश्वकर्मा, शिवेन्द्र विश्वकर्मा, उदयसेन विश्वकर्मा, उमेश विश्वकर्मा, अरुण विश्वकर्मा, संजय विश्वकर्मा, बृजमोहन विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

विश्वकर्मा समाज ने सामुदायिक भवन के लिए मंत्री से मांगी जमीन

पन्ना। गुनौर मुख्यालय में अनुविभागीय अधिकारी, पुलिस, राजस्व, नगर परिषद के साथ अन्य शासकीय दोयम दर्जे के कार्यालय होने के बावजूद कोई बड़ा सामुदायिक भवन नहीं होने के कारण गरीब जनता कर्जदार हो रही है।

इस समस्या को लेकर विश्वकर्मा समाज के ब्लॉक अध्यक्ष सुनील विश्वकर्मा समाज के अन्य लोगों के साथ गुनौर में आयोजित भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंचे। मध्य प्रदेश सरकार के श्रम एवं खनिज मंत्री बृजेंद्र प्रताप सिंह को मांग पत्र देते हुए उन्होंने बताया कि नगर परिषद गुनौर में अभी तक कोई भी ऐसा सामुदायिक भवन और मीटिंग हाल नहीं है, जिसमें क्षेत्र के सामाजिक एवं निजी पारिवारिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा सके। गरीब व मध्यमवर्गीय परिवार के लोगों को किसी सामाजिक कार्यक्रम करने के लिए महंगे मैरिज गार्डन, होटलों में आयोजन करना पड़ता है, जो कि एक गंभीर समस्या बनी हुई है। विश्वकर्मा समाज ने पत्र के माध्यम से यह भी कहा कि समाज के द्वारा एक जमीन सामुदायिक भवन के लिए समाज की सर्वसम्मति से देखी है। जिसका हल्का गुनौर खसरा नंबर 1229 शासकीय जमीन है। अगर उक्त जमीन को प्रशासन द्वारा सामुदायिक भवन निर्माण के लिए स्वीकृति दी जाती है तो सामाजिक कार्यक्रमों को करने में आने वाली बाधाओं को दूर किया जा सकता है।

POINT SLABS	ATOOT BANDHAN GIFTS
3000	*Automatic Washing Machine*
4000	*Double Door Fridge*
6500	*1.5 Ton Split AC*
10000	*Honda Activa 6g*

Mr. Vijay Kumar Dutta C.E.O. From Suzu Steel India

Dear Valued Customers and Partners, I am thrilled to announce the launch of our brand-new range of PVC bathroom fittings. As the **CEO** of **SUZU STEEL (INDIA)** , I am delighted to introduce these innovative products that combine quality, durability, and affordability. PVC bathroom fittings have gained immense popularity due to their versatility, low maintenance, and resistance to corrosion.

Our team has worked diligently to develop a collection that embodies these qualities while meeting the diverse needs of our valued customers. With our PVC bathroom fittings, you can expect superior craftsmanship, sleek designs, and seamless functionality. Whether it's faucets, showerheads, or sanitary ware, each product has been thoughtfully engineered to enhance your bathroom experience and add a touch of elegance to your space.

We understand that our customers seek not only reliable products but also ones that offer great value. That is why our PVC fittings combine affordability with the highest standards of quality, ensuring that you receive exceptional performance without compromising your budget. At **SUZU STEEL (INDIA)** we are committed to sustainability, and our PVC fittings are no exception. We have carefully selected eco-friendly materials and implemented responsible manufacturing practices to minimize our environmental impact while delivering reliable products that stand the test of time. To our esteemed partners, I express my gratitude for your continued support and trust. Your collaboration has been instrumental in bringing our new PVC bathroom fittings to fruition, and we look forward to further strengthening our partnership as we embark on this exciting journey together. To our valued customers, I want to extend my sincere appreciation for choosing our brand. We are confident that our PVC bathroom fittings will exceed your expectations, providing you with a stylish and functional solution for your bathroom needs. Thank you for joining us on this new venture. We remain dedicated to delivering excellence, providing exceptional customer service, and continuing to innovate in the world of bathroom fittings.

Warm regards,

Vijay Kumar Dutta
C.E.O.

मंगल पांडे : भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के पहले क्रांतिवीर

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 से प्रारंभ हुआ और 1947 तक हर पल देश के किसी-न-किसी कोने में चलता रहा। इस लंबे कालखंड ने देशवासियों के दिलों में आजादी की ललक पैदा कर दी। हर कोई कुछ-न-कुछ करने के लिए प्रतिबद्ध हो गया। पीढ़ियां बदलती गईं लेकिन संकल्प में कोई कमी नहीं आई। लोग आते गए, जुड़ते गए और अंग्रेजी हुकूमत को उखाड़ फेंकने के लिए देश हर पल प्रयास करता रहा। इन्हीं स्वतंत्रता सेनानियों में मंगल पांडे, डॉ. खूबचंद बघेल, अरुणा आसफ अली और अब्दुल हमीद कैसर का नाम भी शामिल है जिन्होंने राष्ट्रहित को सदैव सर्वोपरि माना और आजादी के लिए संघर्ष करते रहे। इन स्वतंत्रता सेनानियों ने भारत की आजादी के आंदोलन में न सिर्फ अथक परिश्रम किया बल्कि जरूरत पड़ने पर राष्ट्रहित में तप, त्याग किया और दिया बलिदान...

बैरकपुर में 29 मार्च, 1857 की दोपहर में उस समय तैनात 34वीं बंगाल नेटिव इंफैट्री में तैनात एक अधिकारी

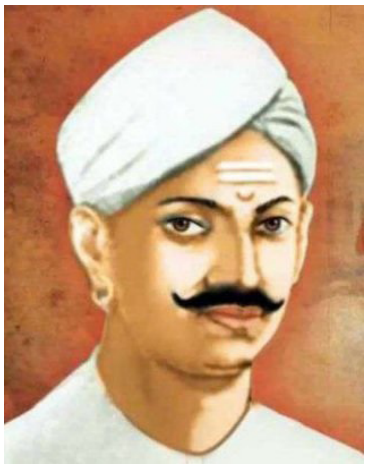

लेफ्टिनेंट बी एच बो को सूचना दी गई कि उसकी रेजीमेंट के कई जवान उत्तेजित स्थिति में हैं। इसके अलावा, यह भी जानकारी दी गई कि उनमें से एक सिपाही मंगल पांडे एक लोडेड मस्कट के साथ परेड ग्राउंड से रेजीमेंट गार्ड रूम के सामने आ रहा है और दूसरे सिपाहियों को विद्रोह के लिए भड़का रहा है। धमकी दे रहा है कि जो भी पहला यूरोपीय व्यक्ति उसके सामने आएगा, उसे वह गोलियों से उड़ा देगा। जैसे ही वो वहां पहुंचे, उन्हें देखते ही मंगल पांडे ने गोली चलाई। इस घटना के दौरान दो ब्रितानी सिपाहियों पर हमला करने के कारण मंगल पांडे को 8 अप्रैल, 1857 को फांसी दे दी गई। फांसी की घटना से अंग्रेजी फौज के सिपाही रहे मंगल पांडे ने देश के लोगों में आजादी की ऐसी अलख जगाई कि 90 साल बाद अंग्रेजी हुकूमत को देश छोड़ना पड़ा।

1857 में भारत की स्वतंत्रता की पहली लड़ाई के प्रमुख व्यक्ति रहे मंगल पांडे का जन्म 19 जुलाई 1827 को उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में हुआ था। वह 1857 की क्रांति के अग्रदूत थे। उन्होंने जनता में क्रांति की उस लौ को जलाया जिसके प्रकाश और प्रताप से विदेशी हुकूमत की जड़ें हिल गईं। वह बैरकपुर में 34वीं बंगाल इन्फेंट्री में सिपाही थे। 1857 में ब्रिटिश सेना ने अपने सिपाहियों को एक नई एनफील्ड राइफल दी जिसे लोड करने के लिए ग्रीस लगे कारतूस के सिरे को दांत से खींचना होता था। यह अफवाह फैली कि कारतूस की चिकनाहट में या तो गाय या सुअर की चर्बी का इस्तेमाल किया गया है। सिपाहियों को भरोसा हो गया कि अंग्रेजों ने जानबूझ कर कारतूस पर चर्बी का इस्तेमाल किया है। 29 मार्च 1857 को पांडे ने अपने साथी सिपाहियों को ब्रिटिश अधिकारियों के विरुद्ध विद्रोह करने को कहा। मंगल पांडे ने दो अधिकारियों पर हमला किया और प्रतिरोध किए जाने पर खुद को गोली मारने की कोशिश की लेकिन ब्रिटिश सैनिकों ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। तुरंत ही मामले की सुनवाई हुई और मंगल पांडे को मृत्युदंड सुनाया गया। पहले मंगल पांडे की फांसी की तारीख 18 अप्रैल निर्धारित की गई थी। अंग्रेजों को लगा कि कहीं ये विद्रोह दूसरे इलाकों में न फैल जाए इसलिए उन्होंने मंगल पांडे को दस दिन पहले ही 8 अप्रैल को बैरकपुर में फांसी पर लटका दिया। 1857 के विद्रोह में जान देने वाले मंगल पांडे पहले भारतीय थे। इस घटना के एक महीने बाद 10 मई 1857 को मेरठ में सिपाहियों ने विद्रोह कर दिया जिसने 1857 की आजादी की पहली लड़ाई को जन्म दिया। उनकी देशभक्ति, त्याग और बलिदान ने लाखों देशवासियों को स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने के लिए प्रेरित किया और वैचारिक क्रांति से लोगों में आजादी की भावना को मूर्त स्वरूप दिया।

19 जुलाई 2022 को मेरठ में स्वतंत्रता सेनानी मंगल पांडे की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि महान मंगल पांडे साहस और दृढ़ संकल्प के पर्याय हैं। उन्होंने हमारे इतिहास के बहुत महत्वपूर्ण समय में देशभक्ति की चिंगारी को प्रज्वलित किया और अनगिनत लोगों को प्रेरित किया।

अरुणा आसफ अली ने गोवालिया मैदान में फहराया था झंडा

स्वाधीनता सेनानी अरुणा आसफ अली एक प्रेरणादायक स्वतंत्रता सेनानी थीं, जिन्हें 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान मुंबई में भारतीय राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए सबसे ज्यादा याद किया जाता है। बंगाली मूल की अरुणा का जन्म 16 जुलाई, 1909 को हरियाणा के कालका में हुआ था। उन्होंने स्वाधीनता सेनानी आसफ अली से शादी की थी। वह महात्मा गांधी और मौलाना अबुल कलाम आजाद जैसे नेताओं के निकट संपर्क में आईं और उनकी सभाओं में भाग लेना शुरू कर दिया।

अरुणा आसफ अली ने नमक सत्याग्रह सहित भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान चलाए गए कई आंदोलनों में भाग लिया जिसके कारण उन्हें कई बार जेल भी जाना पड़ा। जब 8 अगस्त 1942 को अंग्रेजों ने स्वाधीनता संग्राम के शीर्ष नेताओं को जेल में डाल दिया था, तब वह अरुणा आसफ अली ही थीं, जिन्होंने 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान मुंबई स्थित गोवालिया टैंक मैदान में भारत का राष्ट्रीय ध्वज फहरा दिया था। इस घटना के बाद उन्होंने आत्मसमर्पण करने या गिरफ्तारी देने की बजाय भूमिगत हो कर आजादी की लड़ाई जारी रखी। महात्मा गांधी ने अरुणा को पत्र लिख कर आत्मसमर्पण करने का अनुरोध किया लेकिन उन्होंने उस आग्रह को कभी स्वीकार नहीं किया। मुंबई आंदोलन का केंद्र बना रहा लेकिन बाद में यह देश के अन्य हिस्सों में भी फैलने लगा। अरुणा आसफ अली महिलाओं को भी स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करती रहीं। स्वतंत्रता के बाद, वह राजनीति में सक्रिय हो गईं। अरुणा को 1958 में दिल्ली की पहली महापौर नियुक्त किया गया। उन्हें 1992 में पद्म विभूषण और 1997 में मरणोपरांत भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न प्रदान किया गया। अरुणा आसफ अली का 29 जुलाई 1996 को निधन हो गया।

गरीबों के मसीहा थे अब्दुल हमीद कैसर

स्वतंत्रता सेनानी अब्दुल हमीद कैसर भारत के जाने-माने देशभक्तों में से एक थे। उनका जन्म 5 मई, 1929 को राजस्थान के झालावाड़ जिले में हुआ था। बचपन से ही उनके मन में देशभक्ति की भावना जाग उठी थी। लखपति के नाम से प्रसिद्ध अब्दुल हमीद कैसर एक प्रखर वक्ता माने जाते थे। कहा जाता है कि 1954 में उनके नाम की एक लाख रुपये की लॉटरी खुली थी जिसके बाद से वे लखपति के नाम से प्रसिद्ध हो गए। कैसर भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान सक्रिय बने रहे।

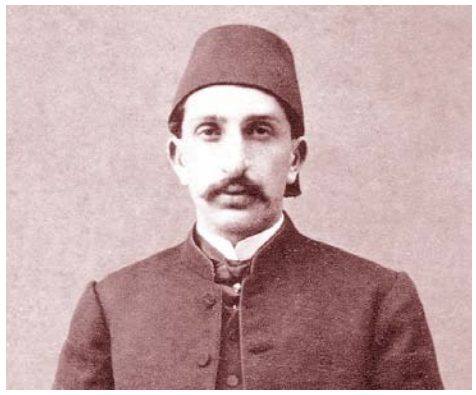

अगस्त 1942 में कोटा में तिलक जयंती मनाई गई थी। इसमें 9 अगस्त, 1942 को मुंबई में होने वाले अधिवेशन में भाग लेने और भारत छोड़ो आंदोलन को समर्थन देने का प्रस्ताव पारित किया गया। इस कार्यक्रम में नगर के गणमान्य लोगों के साथ अब्दुल हमीद कैसर के नेतृत्व में छात्रों ने भी भाग लिया था। इस आंदोलन के दौरान उनके सिर में चोट भी आई थी। बावजूद इसके उनका मनोबल कम नहीं हुआ और वह आंदोलन करते रहे। अलीगढ़ विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने के बाद कैसर ने स्वतंत्रता आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

देश की आजादी के बाद भी वह निरंतर सक्रिय बने रहे और राष्ट्रहित में काम करते रहे। आजादी में दिए योगदान एवं समाज के प्रति उनके समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा के अलावा उन्हें गरीबों के मसीहा के रूप में भी याद किया जाता है। कैसर भारत को अखंड देखना चाहते थे लेकिन उनकी इच्छा पूरी नहीं हो सकी। आखिरकार देश को आजादी मिलने के बाद वे प्रत्यक्ष चुनावी राजनीति से दूर रहे। हालांकि, उनके कई साथी राजनीति में बड़े पदों पर पहुंच गए। अलीगढ़ से शिक्षा पूर्ण कर वे बूंदी में वकालत करने लगे। 1961 में उन्होंने लाल बहादुर शास्त्री को वचन दिया था कि वे गरीबों का मुकदमा निशुल्क लड़ेंगे। उन्होंने इसका आजीवन पालन किया। 18 जुलाई 1998 को उनका निधन हो गया।

डॉ. खूबचंद बघेल : देश की आजादी के लिए छोड़ी नौकरी

रायपुर के पथरी गांव में 19 जुलाई 1900 को डॉ. खूबचंद बघेल का जन्म हुआ था। उनके पिता का नाम जुड़ावन सिंह और मां का नाम केतकी बाई था। रायपुर गवर्नमेंट स्कूल से शिक्षा प्राप्त कर उन्होंने नागपुर में डॉक्टरी की पढ़ाई की और अन्य डिग्री भी प्राप्त की। उन्होंने 1923 में झंडा सत्याग्रह में भाग लिया। 1925 से 1931 तक शासकीय चिकित्सक के पद पर कार्य करते हुए वे छत्तीसगढ़ के राष्ट्रीय नेताओं के संपर्क में आ गए। सरकारी कर्मचारी होते हुए भी उन्होंने 1930 में सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान वन कानून का उल्लंघन किया। उन्होंने 10 अक्टूबर 1930 को सत्याग्रहियों का साथ दिया और उनका नेतृत्व करने लगे। उन्हें नोटिस मिला तो उन्होंने नौकरी से इस्तीफा दे दिया और पूरी तरह से सत्याग्रही हो गए। छत्तीसगढ़ की ग्रामीण जनता के लिए बघेल प्रेरक बन गए थे। उनके प्रभाव के कारण अनेक गांवों के पुरुष एवं महिलाओं ने आंदोलन में भाग लेना शुरू कर दिया। सविनय अवज्ञा आंदोलन के द्वितीय चरण में 15 फरवरी 1932 को डॉ. बघेल गिरफ्तार कर लिए गए। साथ ही उनकी मां केतकी बाई व पत्नी राजकुंवर भी विरोध-प्रदर्शन करते हुए गिरफ्तार कर ली गईं। 1933 में जेल से रिहा होने के बाद उन्होंने महात्मा गांधी के आह्वान पर हरिजन उत्थान का कार्य शुरू कर दिया। कांग्रेस समिति ने उन्हें प्रांतीय हरिजन सेवा समिति का मंत्री नियुक्त किया। वह एक अच्छे साहित्यकार भी थे। उन्होंने करमछड़हा, जनरैल सिंह, ऊंच-नीच, लड़ेगा जैसे नाटक लिखकर सामाजिक बुराइयों पर प्रहार किया और राष्ट्रभक्ति का प्रसार किया। वर्ष 1940 में व्यक्तिगत सत्याग्रह आंदोलन शुरू होते ही वे सक्रिय हो गए और राष्ट्रवादी भावनाओं का प्रसार करने लगे। बघेल अपने नाटकों के द्वारा सामाजिक एवं राजनीतिक जागृति के लिए युवाओं का दल बनाकर गांव-गांव दौरा किया करते थे।

हरीसन सुविधा स्कीम

HARRISON® Partners In Progress

कारपेंटर

भाइयो के लिए **आकर्षक** स्कीम आज ही

रजिस्टर्ड करें और पाएं मौका अनेको

उपहार

जितने का

टोल फ्री नम्बर : 1-800-572-5795 Website: www.harrisonlocks.com | Find us on :

नॉट:- ऊपर दर्शायी गई फोटो सिर्फ उपहार को दर्शाने हेतु है मिलने वाला उपहार इनमे से भिन्न हो सकता है : रंग मॉडल इत्यादि।

बनो हरीसन का

Mr. आनंद

और रहो हमेशा आनंद में

जब फायदे से हो प्यार तो फिर क्यों इंतज़ार
आज ही जुड़ें हरीसन Suvidha Locks & Hardware Solutions के साथ और

पाओ अनेको उपहार

उपहार जितने की प्रक्रिया

- स्टेप 1: हरीसन सुविधा एप्प डाउनलोड करें और लॉग इन करें
- स्टेप 2: प्रोडक्ट पर लगे MPR स्टीकर को जमा करें हर एक MPR पर पॉइंट पाएं
- स्टेप 3: निर्धारित पॉइंट्स जमा होने पर, उपहार जीते

चेयरमैन क्लब कारपेंटर

SMART LED TV WINNER

REFRIGERATOR WINNER

SMART PHONE WINNER

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
+91 9355015108

हरीसन सुविधा एप्प डाऊनलोड करने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:-
www.harrisonlocks.com | email : Info@harrisonlocks.com

9355-015-108

जल्द करेगा लॉन्च हरीसन अरमारिओ और प्रोफाइल 'एक्स' डिवीज़न

HARRISON INTRODUCING UPCOMING

हैरिसन ने वार्ड्रोब फिटिंग समाधान के लिए आर्मारियो सीरीज़ का परिचय किया है, जो मोर्डेंट समाजों को स्मार्ट सोसायटिज़ बनाने में मदद कर रहा है। साथ ही, हैरिसन अकुशल कारपेंटरों को मोर्डेंट आइटम्स के स्थापना और उन्हें कुशल कारपेंटर बनाने के लिए प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। यह कार्यक्रम कौशल को बढ़ावा देता है और उनकी रोजगार की संभावनाएं बढ़ाता है।

हैरिसन के सामर्थ्य और प्रतिबद्धता से प्रेरित होकर, मोर्डेंट के युवा कारपेंटरों को विभिन्न पुरस्कारों और इनामों से सम्मानित किया गया है, जो उनके अत्यधिक मूल्यवान योगदान को समर्थन करते हैं।

इसके साथ ही, हैरिसन ने अपनी सामर्थ्य पूरी तरह से उठाकर मोर्डेंट समाजों को स्मार्ट सोसायटिज़ बनाने के लिए उन्हें तकनीकी और पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान प्रदान किया है, जो एक संवेदनशील और अध्ययनशील नव-युवा समाज के निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। इस विसंगति से उभरने के लिए हैरिसन ने अपने आर्मारियो सीरीज़ के माध्यम से भी नई प्रेरणा दी है, जिससे आधुनिक जीवन शैली का नया मानचित्र बन सकता है।

HARRISON LAUNCHING NEW DIVISION

हैरिसन ने विभिन्न फिनिश और अलग-अलग स्टाइल के साथ एल्युमिनियम प्रोफ़ाइल सीरीज के लिए प्रोफाइल 'एक्स' का लॉन्च किया है। यह उत्कृष्ट डिज़ाइन और आकर्षक विकल्पों से भरा है, जो विभिन्न इंटीरियर और फर्नीचर परियोजनाओं के लिए आदर्श है। हैरिसन ने अपने यूट्यूब और सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर इस प्रोफ़ाइल का ट्रेलर भी रिलीज़ किया है। यह ट्रेलर उन ग्राहकों को ग्राहकों को विशेष रुचि प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है जो अपने प्रोजेक्ट को नए और आकर्षक लुक देना चाहते हैं।

साथ ही, हैरिसन ने मोर्डेंट समाजों की मदद करने के लिए समर्पित किया है। विशेषज्ञ ता और तकनीकी ज्ञान के साथ, हैरिसन ने स्मार्ट सायटिज़ बनाने के लिए समाजों को समर्थन प्रदान किया है, जो नवाचारी और तकनीकी समस्याओं के साथ सामाजिक विकास में सहायता करते हैं। हैरिसन का उद्देश्य है एक सुसंगत, और प्रगतिशील समाज के निर्माण में सहायता करके लोगों को समृद्ध और उत्तेजित करना।

हरीसन कर रही है लगातार बड़े पैमाने पर

कारपेंटर सम्मेलन एवम प्रशिक्षण

इस साथीता के माध्यम सेए कारपेंटर अपने कौशल में सुधार कर रहे हैं और हरीसन के साथ जुड़कर उन्होंने नए और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना शुरू किया है। उन्होंने अपने काम में अधिक मानवीयता और विशेषज्ञता डालने के लिए नए रास्तों का अन्वेषण किया हैए जिससे उनके उत्पाद और सेवाएं और भी उत्कृष्ट और सुरक्षित हो सकें।कारपेंटर अब अपने आत्म.संयम और आत्म.संवाद के साथ हरीसन के प्रोडक्ट्स को इमर्ज करा रहे हैंए और वे बिना किसी चिंता के हरीसन की विश्वसनीयता के साथ उनका उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने न सिर्फ अपने व्यवसाय को सुरक्षित और निष्पक्ष तरीके से बढ़ावा दिया हैए बल्कि उन्होंने अपने क्षेत्र में भारतीय आदर्शों और मूल्यों को बढ़ावा देने में भी योगदान किया है।कारपेंटर और हरीसन के इस साथीता का परिणामस्वरूपए देश के विकास में एक महत्वपूर्ण योगदान की ओर एक साथ कदम बढ़ा रहे हैं। यह सामर्थ्य और सहयोग हमारे समाज के निरंतर विकास की दिशा में महत्वपूर्ण प्रबल दिशा माने जा सकते हैंए जो हमारे राष्ट्र को आगे बढ़ने में मदद करेगी।

ADVT

अपने इष्ट के अनुकूल ही अपना जीवन बनाएं - स्वामी हरि चैतन्य पुरी

मुंबई। श्री हरि कृपा पीठाधीश्वर स्वामी हरि चैतन्य पुरी महाराज ने कहा कि प्रतिकूल आचरण द्वारा अपने इष्ट का चित्त दुखी ना करें। जिसे भी हम अपना आदर्श बनाएं उसके अनुकूल हमें अपना जीवन भी बनाने का प्रयास करना चाहिए। इससे साधक का कल्याण होता है व उसका जीवन सफल हो जाता है। चेंबूर के तिलक नगर में भक्त समुदाय को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वह आदर्श चाहे हमारे माता पिता, संत, गुरु, देवता परमात्मा के विभिन्न अवतार आदि कोई भी क्यों ना हो, माता पिता के मन में यदि कभी यह आ जाए कि ऐसी संतान हमारे यहां क्यों पैदा हुई, पैदा होते ही मर क्यों ना गई तो समझ लो ऐसी संतान को धिक्कार है। यदि सज्जन व धर्मात्मा पति, सास ससुर इत्यादि के मन में भी कभी आ जाए कि ऐसी बहू हम क्यों लाए, तो उस नारी को धिक्कार है।

जिस सदाचार परिपूर्ण मर्यादित जीवन वाली नारी के मन में भी यदि कभी यह विचार आया कि मैं क्यों ऐसे नर्क जैसे घर में दुष्टाचार वाले लोगों के बीच आ गई तो ऐसे सास ससुर पति को धिक्कार है। उन्होंने कहा कि किसी देवता या इष्ट के मन में यदि यह आ जाए कि फलां भक्त की तपस्या से प्रसन्न होकर हमने उसे व्यर्थ ही क्यों वरदान में शक्तियां या सामर्थ्य दी। जिसका दुरुपयोग करके यह समाज में अधर्म, अन्याय व अत्याचार को बढ़ावा दे रहा है, तो ऐसे भक्त को धिक्कार है। जिसे शिष्य बनाकर सरल स्वभाव वाले गुरु के मन में भी कभी आ गया कि ऐसे दुष्ट को हमने शिष्य क्यों बनाया होगा तो उस शिष्य को धिक्कार है। जिसे पृथ्वी पर भेजकर विधाता या परमात्मा के मन में कभी आ गया कि फलां व्यक्ति को व्यर्थ जन्म देकर हमने धरा पर क्यों भेजा होगा। जिसके कर्म, प्रवृत्ति व आचरण देखकर परमात्मा व विधाता के मन को दुख पहुंचे ऐसे जीवन को भी धिक्कार है। दूसरों के गुण और दोष देखने के बजाय व्यक्ति को स्वयं अपनी और अपने कार्यकलापों पर एव चिंतन करना चाहिए। जिससे मानव का कल्याण हो।

हरि चैतन्यपुरी ने कहा कि वृक्ष भगवान शिव के प्रतिरूप हैं। भगवान शिव ने लोकहित में विषपान किया व संसार को अमृत दिया, ठीक उसी प्रकार पेड़ पौधे भी में कार्बन डाईऑक्साइड का जहर पीकर आक्सीजन का अमृत बांटते हैं। समय रहते यदि हम पर्यावरण के प्रति जागरूक नहीं हुए तो इसके होने वाले दुष्परिणामों को भोगने के लिए हमें बाध्य होना पड़ेगा।

ओशो वाणी

प्रेम सदैव आनंदित है

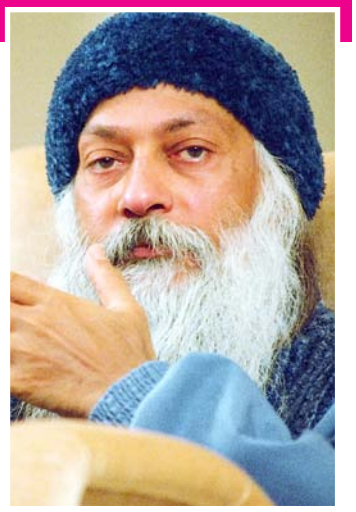

एक बहुत पुराना वृक्ष था। आकाश में सम्राट की तरह उसके हाथ फैले हुए थे। उस पर फूल आते थे तो दूर-दूर से पक्षी सुगंध लेने आते। उस पर फल लगते थे तो तितलियाँ उड़तीं, उसकी छाया, उसके फैले हाथ, हवाओं में उसका वह खड़ा रूप आकाश में बड़ा सुंदर था। एक छोटा बच्चा उसकी छाया में रोज खेलने आता था। और उस बड़े वृक्ष को उस छोटे बच्चे से प्रेम हो गया। बड़ों को छोटों से प्रेम हो सकता है, अगर बड़ों को पता न हो कि हम बड़े हैं।

वृक्ष को कोई पता नहीं था कि मैं बड़ा हूँ यह पता सिर्फ आदमी को होता है इसलिए उसका प्रेम हो गया। अहंकार हमेशा अपने से बड़ों को प्रेम करने की कोशिश करता है। अहंकार हमेशा अपने से बड़ों से संबंध जोड़ता है। प्रेम के लिए कोई बड़ा छोटा नहीं। जो आ जाए, उसी से संबंध जुड़ जाता है। वह एक छोटा सा बच्चा खेलता था उस वृक्ष के पास, उस वृक्ष का उससे प्रेम हो गया। लेकिन वृक्ष की शाखाएं ऊपर थी, बच्चा छोटा था तो वृक्ष अपनी शाखाएं उसके लिए नीचे झुकाता ताकि वह फल तोड़ सके, फूल तोड़ सके। प्रेम हमेशा झुकने को राजी है लेकिन अहंकार कभी भी झुकने को राजी नहीं है। अहंकार के पास जाएंगे तो अहंकार के हाथ और ऊपर उठ जाएंगे ताकि आप उन्हें छू न सके। क्योंकि जिसे छू लिया जाए वह छोटा आदमी है, जिसे न छुआ जा सके, दूर सिंहासन पर दिल्ली में हो, वह बड़ा आदमी है। वह वृक्ष की शाखाएं नीचे झुक आतीं जब वह बच्चा खेलता हुआ आता। और जब बच्चा उसके फूल तोड़ लेता तो वह वृक्ष बहुत खुश होता। उसके प्राण आनंद से भर जाते, प्रेम जब भी कुछ दे पाता है तब खुश हो जाता है। अहंकार जब भी कुछ ले पाता है तभी खुश होता है। फिर वह बच्चा बड़ा होने लगा। वह कभी उसकी छाया में सोता, कभी उसके फल खाता, कभी उसके फूलों का ताज बना कर पहनता और जंगल का सम्राट हो जाता। प्रेम के फूल जिसके पास भी बरसते हैं, वही सम्राट हो जाता है। और जहां भी अहंकार घिरता है, वहीं सब अंधेरा हो जाता है, आदमी दीन और दरिद्र हो जाता है। वह लड़का फूलों का ताज पहनता और नाचता और वह वृक्ष बहुत खुश होता। उसके प्राण आनंद से भर जाते। हवाएं सनसनातीं और वह गीत गाता। फिर लड़का और बड़ा हुआ। वह वृक्ष के ऊपर भी चढ़ने लगा, उसकी शाखाओं से झूलने भी लगा। वह उसकी शाखाओं पर विश्राम भी करता और वृक्ष बहुत आनंदित होता। प्रेम आनंदित होता है, जब प्रेम किसी के लिए छाया बन जाता है। अहंकार आनंदित होता है, जब किसी की छाया छीन लेता है।

जायका इंडिया का

दही आलू

सामग्री -1 कप दही, 3-4 उबले हुए आलू, 1/4 छोटा चम्मच जीरा, 1/4 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, स्वादानुसार सेंधा नमक, 1 छोटा चम्मच हरी मिर्च, बारीक कटी हुई, 1 बड़ा चम्मच घी, 1/8 छोटा चम्मच जीरा पाउडर, 1/4 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर।

विधि - आलू को छीलकर छोटे छोटे टुकड़े करके अलग रख लें। एक कटोरे में दही, जीरा पाउडर और सेंधा नमक डालकर अच्छी तरह से फेंट लें। अब एक पैन में घी गर्म करें और उसमें जीरा डालें। इसके बाद हरी मिर्च डालकर 1- 2 सेकंड मिलाएं और इसमें आलू डालकर सुनहरा होने तक भून लें। जब आलू भुन जाएं, तो इसमें हल्दी पाउडर, नमक और लाल मिर्च पाउडर डालकर मिलाएं। मसाले और आलू मिक्स हो जाएं तो आंच को एकदम धीमा कर दें और इसमें धीरे-धीरे दही डालकर लगातार चलाते रहें। 1-2 मिनट चम्मच से चलाएं, अगर जरूरत लगे तो 1-2 चम्मच पानी डालकर 3-4 मिनट पकाएं। ऊपर से हरा धनिया डालें और आपका दही आलू तैयार है।

श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए मोदी सरकार प्रतिबद्ध

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी के अनुषांगिक संगठन श्रमिक कामगार कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय महासचिव सर्वेश पाठक ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार श्रमिकों के विकास के लिए खजाना खोल दिया है। दादर स्थित हॉकर्स प्लाजा में कामगारों की बैठक में उन्होंने कहा कि देश के असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए सरकार ने कई कल्याणकारी योजनाओं को शुरू किया है। श्रमिक के बच्चों की पढ़ाई - लिखाई, विवाह, स्व रोजगार शुरू करने के लिए सरकार की ओर से सहायता दी जाएगी। पाठक ने कहा कि इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए श्रमिकों को पंजीयन करना होगा। प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन पेंशन योजना व ई-श्रम योजना के तहत असंगठित कामगार, स्ट्रीट वेंडर, घरेलू श्रमिक, दिहाड़ी मजदूर आदि कार्य करने वाले श्रमिक

पोर्टल पर अपना पंजीयन कराकर लाभ ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के हित लाभ के लिए 15 से अधिक योजनाओं का संचालन किया जा रहा है।

12 वर्षों में तैयार हुआ दुनिया का सबसे बड़ा दरवाजा

लखनऊ। बुलंद दरवाजा को दुनिया के सबसे बड़े दरवाजे के तौर पर जाना जाता है। यह दरवाजा उस वक्त बनाया गया था, जब इंसानों के पास ना बड़े बड़े क्रेन थे और ना ही हाई टेक्नोलॉजी वाली मशीनें। लेकिन इसके बाद भी भारत में दुनिया का सबसे बड़ा दरवाजा बना दिया गया। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर सीकरी में बनाए गए इस दरवाजे की ऊंचाई 53.63 मीटर है। यानी अगर इसे फीट में नापें तो ये 173 फीट से ज्यादा का हो जाएगा। इसकी मोटाई 35 मीटर चौड़ा है। लाल बलुआ पत्थर से बना यह दरवाजा आज भी सही सलामत है। इस पर संगमरमर के पत्थर से सजावट की गई है। इस पूरे दरवाजे पर गुंबद और मीनारें बनवाई गई है। सिर्फ इस दरवाजे को देखने प्रतिवर्ष लाखों की भीड़ उत्तर प्रदेश

के फतेहपुर सीकरी पहुंचती है।

इतिहासकारों के मुताबिक इस दरवाजे का निर्माण मुगल शासक अकबर ने वर्ष 1602 में करवाया था। कहा जाता है कि जब मुगल शासक अकबर ने गुजरात पर विजय प्राप्त की थी, तब उस जीत की स्मृति में उसने इस दरवाजे का निर्माण करवाया था। इस दरवाजे के पूर्वी तोरण पर आज भी फारसी भाषा में लेख अंकित हैं, जो 1601 में अकबर के दक्कन विजय की कहानी बताते हैं। इस दरवाजे तोरण पर ईसा मसीह से संबंधित बाइबल की कुछ पंक्तियां भी अंकित है। इस दरवाजे को लेकर कहा जाता है कि इसे बनने में कुल 12 वर्ष लग गए थे। 1571 ई. से 1585 ई. तक फतेहपुर सीकरी मुगल साम्राज्य की राजधानी थी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक-गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा द्वारा 306, दिघे नगर को आप हाउसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिन्स्टन (वेस्ट), मुंबई-40013 से प्रकाशित एवं एस आर पब्लिकेशन, मोहन अर्जुन कम्पाउंड, गाला नम्बर-8, 9, 10, घर्टनपाढा, वैशाली नगर लास्ट बस स्टॉप, नियर भारत गैस गोडाउन, दहिसर (ईस्ट), मुंबई- 400068 से मुद्रित। संपादक - गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा* RNI NO. MAHHIN/2005/16460 मो. 09320566633. (सभी विवादों का निपटारा न्यायक्षेत्र केवल मुंबई न्यायालय के अधीन होगा. *पी. आर. बी. अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

कारपेन्टर/कोन्ट्राक्टर भाइयों के लिये टोकन / कटर मशीन / ड्रील मशीन ऑफर

EURO 7000
SYNTHETIC WOOD ADHESIVE

ड्रम पैक साइज
800 Gm X 70 Pouches

ड्रम पैक	ऑफर
यूरो एडहेसिव WP 2IN1 के एक ड्रम पर पाइये स्पेशल ऑफर 800 Gm X 70 Nos	15 Rs. टोकन / पाउच अथवा कटर मशीन अथवा ड्रील मशीन

15 Rs/- टोकन / पाउच

अथवा

अथवा

JYOTI RESINS & ADHESIVES LIMITED www.euro7000.com

तस्कर कर रहे सागौन का सफाया

बैतूल। जिले के दक्षिण वन मंडल में वन विभाग की चौकसी के बावजूद तस्कर ना केवल बेरोकटोक जंगल में घुस रहे हैं बल्कि बेशकीमती पेड़ों को

जमींदोज कर बेखौफ होकर जंगल में ही चरपटें भी बना रहे हैं। महाराष्ट्र का सीमावर्ती होने से बेहद संवेदनशील इलाकों में सागौन तस्करों की धरपकड़ के लिए मुखबिर तंत्र को मजबूत कर दिया गया है ताकि वन अपराधों पर अंकुश लग सके।

26 जुलाई को रात्रि में दक्षिण बैतूल वनमंडल अंतर्गत आठनेर परिक्षेत्र में मुखबिर की ओर से सागौन चरपट की अवैध तस्करी की सूचना के आधार पर वनमंडलाधिकारी दक्षिण बैतूल विजयानन्थम टीआर व उप वनमंडलाधिकारी आशीष बंसोड़ के मार्गदर्शन में वन परिक्षेत्र अधिकारी आठनेर अतुल भोयर द्वारा टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा सालबर्डी से बोरपेण्ड मार्ग पर गश्ती के दौरान ग्राम पचमऊ के नजदीक पुलिया के नीचे पाइप में सागौन चरपटों को छिपाकर रखा हुआ पाया गया।

मौका स्थल पर आस पास अज्ञात आरोपियों की तलाशी की गई, किंतु कोई नहीं मिला। इसके बाद मौका स्थल से वन अमले ने 42 नग सागौन चरपट 1.327 घन मीटर जप्ती की कार्यवाही की। जप्त काष्ठ का अनुमानित मूल्य 78 हजार 948 आंका गया। मध्यप्रदेश व्यापार विनियमन अधिनियम 1969 के तहत वन अपराध प्रकरण 939 / 76 दिनांक 27/07/2023 पंजीबद्ध किया गया, अज्ञात आरोपियों की तलाश की जा रही है। जप्ती करने वाली टीम में परिक्षेत्र अधिकारी आठनेर अतुल भोयर (रावसे), गणेश धंडारे, परिक्षेत्र सहायक सालबर्डी, कामूलाल इवने, वनरक्षक बोरपेण्ड, दीनदयाल खोजी (प्रशिक्षु) बीट सहायक वनरक्षक कोंढर, अजीत कौरव, वनरक्षक उत्तर झुनकारी व कमल कसारे वनरक्षक सालबर्डी का विशेष योगदान रहा।

गर्भवती महिलाएं सुंदरकांड का करें पाठ

तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने आरएसएस से जुड़े एक संगठन संवर्धिनी न्यास के गर्भ संस्कार कार्यक्रम को लॉन्च किया। इस अवसर पर पेशे से स्त्री रोग विशेषज्ञ राज्यपाल ने कहा कि गर्भवती महिलाओं को मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ बच्चे पैदा करने के लिए सुंदरकांड का पाठ करना चाहिए व रामायण जैसे महाकाव्यों को पढ़ना चाहिए।

भरोसा, मजबूती और गुणवत्ता के साथ लिंक मना रहा है आजादी का अमृत महोत्सव

लिंक लॉक्स प्राइवेट लिमिटेड भारतीय बाजार में लॉक्स एवं हार्डवेयर की एक अग्रणी कंपनी बन चुकी है। आजादी के अमृत महोत्सव पर कंपनी के प्रेसिडेंट श्री अनिल भारद्वाज ने कंपनी के अब तक के सफर और आजादी के अमृत महोत्सव पर कंपनी की नई सोच के बारे में विस्तृत बातचीत की। उनसे बातचीत के प्रमुख अंश प्रस्तुत है –

Q 1 – तालों का दूसरा नाम लिंक लॉक्स को कहा जाता है, लिंक लॉक्स को बाजार में इस तरह की मजबूत ब्रांडिंग कैसे हासिल हुई?

मेरा भरोसा है कि बेहतरीन क्वालिटी और किफायती दाम, ये दो चीजें लिंक को इस मुकाम पर लेकर आई हैं। पच्चास साल पहले जब लिंक की शुरूआत श्रीमान जफर आलम जी ने की तब पश्चिम भारत की एक कंपनी का तालों के बाजार में दबदबा था और उनकी कीमत भी बहुत ज्यादा हुआ करती थी। हमें उत्तर भारत के लिए एक ऐसा लॉकिंग सिस्टम चाहिए था जो क्वालिटी में तो सबसे बेहतर हो ही, साथ में उसकी कीमत भी आम कस्टमर के बजट से मेल खाती हो। हमने सबसे पहले भारतीय ग्राहकों की जरुरत को समझा। लिंक पहली और इकलौती कंपनी है जिसने तालों में डबल लॉकिंग सिस्टम की शुरूआत की। इन तालों को तोड़ना नामुमकिन साबित हुआ। बल्कि एक दिलचस्प किस्सा ये भी है कि एक बार लिंक के ताले को हर तरह से तोड़ने की कोशिश करने के बाद एक चोर ने इसे 'अटूट' कहा था और हमने अपने उस लॉक का नाम भी 'अटूट' रख दिया। इस तरह का भरोसा लिंक ने भारतीय बाजार में बनाया है।

Q 2 – तालों में नई तकनीक लाने के मामले में भी लिंक लॉक का नाम सबसे आगे आता है। तकनीक के मोर्चे पर लिंक की मजबूती कहां से आती है?

तकनीक के मामले में लिंक के की-कॉम्बिनेशन का तोड़ पूरी दुनिया में नहीं है। अगर आप चीन की बात भी करें तो उनके पास ज्यादा से ज्यादा 600 या 700 की-कॉम्बिनेशन ही होंगे, लेकिन लिंक दुनिया की इकलौती कंपनी है, जिसके पास करोड़ों में की-कॉम्बिनेशन हैं। इसे आप ऐसे समझें कि एक इलाके में एक ताले को अगर कोई बिना चाभी के खोलना चाहे तो उसे इतनी चाभियां ट्राई करनी पड़ेंगी कि इसमें बरसों लग जाएंगे। इसलिए हमारी तकनीक को अटूट कहा जाता है। इसी तकनीक, क्वालिटी, कस्टमर हैप्पीनेस और सर्विस की वजह से लिंक का नाम दुनिया भर में लिया जाता है।

Q 3 – प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'मेक इन इंडिया' को लेकर बहुत काम करते हैं और पूरी तरह से भारतीय कंपनी होने की वजह से लिंक तो इस मामले में महत्वपूर्ण भूमिका में है?

जी बिल्कुल, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह से आत्मनिर्भर और सशक्त भारत के लिए काम कर रहे हैं, ठीक वही विश्वास लिंक लॉक्स का भी है। लिंक अपने प्रोडक्ट बनाने के मामले में पूरी तरह से 'मेक इन इंडिया' तो है ही साथ ही हम आत्मनिर्भर भी हैं। हमारी अपनी डिजाइन टीम प्रोडक्ट को डिजाइन करती है, हार्डवेयर से लेकर फाइनल प्रोडक्ट तक हम आत्मनिर्भरता को लेकर ही आगे बढ़ रहे हैं। हमारा मानना है कि देश सेवा का सबसे बेहतर तरीका है, भारत के आम नागरिक को उसकी जरूरतों के हिसाब से किफायती और क्वालिटी प्रोडक्ट देना। क्वालिटी प्रोडक्ट देकर और लोगों में भरोसा बनाए रख कर हम देश की सेवा करते हैं।

Q 4 – देश में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। ऐसे में भारत की एक अग्रणी कंपनी होने के नाते लिंक लॉक्स आजादी का अमृत महोत्सव कैसे मना रही है?

देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है और हमारा मानना है कि जैसे दुनिया भर में भारत की मजबूती और सुरक्षा पर भरोसा कई गुना बढ़ा है, ठीक वैसे ही लिंक लॉक्स हर भारतीय के मन में सुरक्षा और भरोसे की भावना को मजबूत करता है। इसे और आगे बढ़ाने के लिए हम इस स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इस इंडस्ट्री में पहली बार एक ऐसा ऑफर लाए हैं जो देता है अटूट मजबूती। इस ऑफर में हमारा एक हीरो प्रोडक्ट लेने पर घर की जरूरत के हिसाब से दो लॉक मुफ्त दिए जाएंगे। जैसे हमारा एक हीरो प्रोडक्ट है 'अटूट लॉक' तो हमने इसके साथ दो और तालों का पैकेज बना दिया है। भारत में अंतिम उपभोक्ता तक पहुंचने वाला ये अपनी तरह का अनोखा और इकलौता ऑफर है जो हमने देश को समर्पित किया है।

Q 5 – भारत को मजबूती और भरोसा देने वाली लिंक लॉक की अपनी बुनियाद किस भरोसे और वैल्यू पर टिकी है?

बतौर कंपनी लिंक ने शुरूआत से यही माना है कि हमारे लिए देश के लोग और उनमें सुरक्षा की भावना सबसे अहम है। कंपनी की स्थापना करने वाले श्री जफर आलम जी के लिए यह कंपनी सिर्फ कारोबार करने का जरिया नहीं है। इस ब्रांड के साथ उनका अपने परिवार की तरह ही एक इमोशनल कनेक्ट यानी भावनात्मक संबंध भी है। इसी के चलते कंपनी में काम करने वाले ऊपरी दर्जे से लेकर नीचे तक और बाहरी लोग जिनसे हम कारोबार करते हैं, उनके साथ पारदर्शिता या कहें कि ईमानदारी को हम अहमियत देते हैं। लिंक समाज के सभी तबकों के लिए क्वालिटी प्रोडक्ट बनाना चाहती है और वह भी किफायती दाम पर। यही लिंक के वो आदर्श हैं जिन पर हमारी बुनियाद टिकी हुई है।

Q 6 – इन पच्चास वर्षों में लिंक में क्या बड़े बदलाव हुए हैं?

पहले के लिंक और अब के लिंक में ये फर्क है कि अब कॉर्पोरेट अप्रोच की वजह से हमारे साथ दुनिया भर के बेहतरीन प्रोफेशनल्स जुड़े हैं। दिल्ली में हमने लिंक का कॉर्पोरेट ऑफिस शुरू किया है। पिछले 6 महीनों में ही हर इंडस्ट्री से करीब 200 से ज्यादा प्रोफेशनल्स हमारे साथ आए। हमने मल्टी डायमेंशनल अप्रोच से मार्केटिंग पर ध्यान दिया है। हम भारत के उस गांव में भी पहुंच रहे हैं जहां सिर्फ एक हजार की आबादी और एक भी दुकान हो। वहां भी लिंक का प्रोडक्ट मिलेगा। दूसरी तरफ ग्राहकों तक सीधे पहुंचने के लिए हम ई-कॉमर्स का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। हमने अपना ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म भी डेवलप किया है और ग्राहक हमारी वेबसाइट से भी लिंक प्रोडक्ट खरीद सकते हैं। आज आप हमारे कोई भी प्रोडक्ट 10 मिनट में ऑनलाइन मंगवा सकते हैं।

संस्कृत में योगदान के लिए विश्वेश्वरानंद गिरि सम्मानित

जम्मू। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने संस्कृत के संरक्षण और प्रचार में उल्लेखनीय योगदान के लिए श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी विश्वेश्वरानंद गिरि को कैलख संस्कृत रत्न पुरस्कार - 2023 से सम्मानित किया। मिश्रीवाला के मैजेस्टिक ग्रैंड बैंक्वेट हॉल में आयोजित समारोह में उपराज्यपाल ने कहा कि संस्कृत सनातन की आत्मा है। यह संदेश देती है कि समाज की विरासत और मूल्यों को संरक्षित और पुनः स्थापित किया जाना चाहिए, तभी आज से 15 या 20 वर्ष बाद हम समाज को इस संतुष्टि के साथ देख सकेंगे कि हमने एक महान समाज का निर्माण किया है। नई पीढ़ी को उचित दिशा देनी चाहिए। नई पीढ़ी की रगों में नई ऊर्जा का संचार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें संस्कृत को जन-जन तक पहुंचाने के तरीके और साधन तलाशने चाहिए। यह जन-जन की भाषा होनी चाहिए। सिन्हा ने कहा कि हमें अपनी विरासत पर गर्व करना चाहिए। संस्कृत विद्वानों को संस्कृत को जन-जन तक पहुंचाने के तरीके और साधन तलाशने चाहिए।

स्वामी विश्वेश्वरानंद गिरि ने कहा कि यह पुरस्कार किसी एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि भारतीय अध्यात्मवाद की संपूर्ण परंपरा को दिया जाता है। उन्होंने कहा कि संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए अनेक कदम उठाए जा रहे हैं, जो शुभ संकेत है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जम्मू कश्मीर संस्कृत शिक्षा के महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभरेगा। पूर्व मंत्री शाम लाल शर्मा ने कहा कि देववाणी संस्कृत के विकास से न केवल भारत का विश्व गुरु बनने का सपना साकार होगा, बल्कि विश्व शांति के साथ समग्र विकास के पथ पर भी आगे बढ़ेगा। विहिप की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष कपिल खन्ना ने कहा कि देववाणी संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए ट्रस्ट का अच्छा प्रयास है क्योंकि देववाणी संस्कृत सिर्फ एक भाषा नहीं है, बल्कि हमारे अतीत और वर्तमान को जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी है। श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रोहित शास्त्री ने बताया कि 2012 में अपनी स्थापना के बाद से ट्रस्ट देववाणी संस्कृत और कैलख संस्कृत रत्न पुरस्कार के लिए अथक प्रयास कर रहा है।

महामंडलेश्वर आचार्य स्वामी विश्वेश्वरानंद गिरि को संस्कृत के संरक्षण और प्रचार में उल्लेखनीय योगदान के लिए कैलख संस्कृत रत्न पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया गया। स्वामी विश्वेश्वरानंद गिरि विले पार्ले (पश्चिम) स्थित सन्यास आश्रम के अध्यक्ष व हरिद्वार स्थित सूरत गिरी बांग्ला के ग्यारहवें अध्यक्ष हैं। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के सदस्य व श्री माता वैष्णो देवी संस्कृत गुरुकुल कटरा गुरुकुल की गवर्निंग काउंसिल के अध्यक्ष भी हैं।

भायखला को यूनेस्को पुरस्कार

मुंबई । देश की 170 वर्ष पुराने रेलवे स्टेशन भायखला को यूनेस्को से पुरस्कार मिला है। जिसे नवंबर 2022 में घोषित किया गया था। यह पुरस्कार प्राचीन वैभव संरक्षण के लिए दिया गया है। यूनेस्को संयुक्त राष्ट्र की शैक्षणिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संस्था है।

वेल्डिंग मिस्त्री की गोली मारकर हत्या

मिजार्पुर। अदलहाट थाना क्षेत्र के डेहरी गांव के पास रात बाइक से घर लौट रहे वेल्डिंग मिस्त्री की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना की छानबीन कर पुलिस ने आठ घंटे में हत्याकांड का खुलासा कर दिया। पत्नी ने ही प्रेम प्रसंग में प्रेमी के साथ मिलकर पति हरिश्चंद्र विश्वकर्मा की हत्या कराई है। पुलिस सभी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। प्रेम प्रसंग में पत्नी ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर पति की हत्या कराई है। घटना में पिस्टल, कारतूस, बाइक इस्तेमाल हुआ है।

OZONE
FOR A SAFER WORLD

Jab Glass Ki Ho Baat
Sirf Ozone Fittings Ka Saath

GLASS KA BETTER HALF

Why Ozone Glass Fittings are known as Glass Ka Better Half

Glass- One of the most versatile building materials innovated by mankind - makes the foundation of any building envelope or partition in an urban living space. The emergence of Architectural processed glass required hardware and a support system to enable its use, to enable it to stand, and to move, without which its usage and existence become meaningless. This is why hardware, the glass support system, becomes its Better Half.

In India- Ozone is synonymous with the architectural glass industry as one of the most significant contributors and enabled glass usage in various applications with the help of its innovative hardware solutions. For over 20 years, the brand has stood alongside the glass application to ensure its safe usage, promising high-quality fittings with a value of money quotient. Ozone has now footprints in more than 45 countries, moving more than a million glass doors today.

Regarding doors, Patch Fittings are the most widely used Hardware Fitting System. Since the entire weight and movement of the glass depends on the hardware, these fittings must be made of quality raw material to secure the door properly and avoid any untoward incident. Ozone's Patch fittings ensure that the glass is gripped to perfection with its anti-skid gaskets and stainless steel screws, making it the perfect companion to the glass and ensuring years and years of smooth operation.

The emergence of painted and printed architectural glass in glass in interiors paved the way for glass hardware in different finishes and colors. This led to the launch of 'Colors by Ozone' which complemented high-quality finishes in Gold Polish, Gold Matt, Rose Gold, and Black Matt. It brought the zing to the glass and made it the perfect partner.

Ozone ensured timely upgradation of its solutions and ranged to ensure continuity of the glass usage in the interiors. The change of trend from frameless to frame led to the launch of the Demountable Partition System. This engineered system can enable easy installation of partitions with minimal permanent changes making it demountable in nature. The success of the Ozone range of Hana, K-Lite, and Outliner is a testimonial to this timely addition enabling the perfect bond of glass with hardware.

Ozone Fittings has always stood hand in hand with glass; without either, the other is half, and having a full is essential.

Discover more about **Ozone Overseas's latest campaign- Glass Ka Better Half,** and learn more

Scan to watch Campaign video

गोल्ड डिगर कहने वालों को सुष्मिता ने दिया जवाब

बॉलीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन ने जब से कमबैक किया है उनका अलग ही अंदाज देखने को मिल रहा है। वेब सीरीज आर्या के बाद से सुष्मिता सेन ने अपने दम पर हिट प्रोजेक्ट्स देने का सिलसिला शुरू कर दिया है। आर्या के अलावा सुष्मिता सेन का अपकमिंग प्रोजेक्ट ताली लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। ताली का ट्रेलर किया जा चुका है। फिल्म में सुष्मिता सेन एक ट्रांसजेंडर के किरदार में नजर आने वाली हैं। इसी बीच सुष्मिता का बयान काफी वायरल हो रहा है। दरअसल सुष्मिता सेन ने हाल ही में ललित मोदी के साथ रिश्ते की अफवाह के बाद गोल्ड डिगर कहे जाने पर खुलकर बात की है। एक इंटरव्यू के

दौरान सुष्मिता ने कहा कि मुझे लगता है कि यह अच्छा है कि वे टिप्पणियां मेरे पास आईं और मैं गोल्ड डिगर को एक्सप्लेन कर सकीं। अपमान तब अपमान होता है जब यह आपको मिलता है, मुझे नहीं मिला। एक्ट्रेस का मानना है कि कुछ चीजों से किसी को कोई मतलब नहीं होता और उन्हें ये किसी से कहने की जरूरत नहीं। सुष्मिता के मुताबिक वह सिंगल हैं और ये भी किसी का मुद्दा नहीं है। उनका जब मन करेगा तब वह अपना रिएक्शन देंगी। ललित मोदी के साथ उनके रिश्ते की अफवाह इंटरनेट पर सामने आने के बाद एक्ट्रेस को गोल्ड डिगर कहा गया था। जिस पर सुष्मिता ने एक बड़ा पोस्ट भी शेयर किया था।

स्वरा भास्कर ने फ्लॉन्ट किया बेबी बम

बॉलीवुड एक्ट्रेस स्वरा भास्कर जल्द मां बनने वाली हैं। इस समय वह अपनी प्रेग्नेंसी को इन्जॉय कर रही हैं। एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से एक फोटो शेयर करते हुए फैन्स के साथ अपनी प्रेग्नेंसी की तैयारियों की जानकारी साझा की है।

स्वरा ने अपनी बेबी बम फ्लॉन्ट करते हुए आने वाले नन्हे मेहमान के लिए घर में क्या तैयारियां की जा रही इसके बारे में बताया है। स्वरा ने इंस्टाग्राम पर अपने बेबी बंप को फ्लॉन्ट करते हुए दो तस्वीरें साझा की। कैप्शन में स्वरा ने साझा किया कि उन्होंने एक पालना खरीदा है, क्योंकि वे नवजात शिशु के आगमन को लेकर वास्तव में उत्साहित हैं। अपने पालने को दिखाते हुए स्वरा ने बताया कि उनके बच्चे से पहले ही उनकी पालतू बिल्ली ने इस पर कब्जा कर लिया है। स्वरा भास्कर ने जून में अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी और अक्टूबर में कपल अपने बच्चे का स्वागत करने वाला है। स्वरा भास्कर और फहद अहमद ने फरवरी में कोर्ट मैरिज और मार्च में एक सामाजिक समारोह किया था। इस शादी के समारोह में कई राजनीतिक हस्तियां शामिल हुई थी जिसमें अखिलेश यादव भी मौजूद थे।

इशिता की उड़ी रातों की नींद

इशिता दत्ता और वत्सल सेठ इन दिनों चर्चा में हैं। यह जोड़ी हाल ही में माता पिता बनी है। दृश्यम फेम एक्ट्रेस ने बेटे को जन्म दिया है। इशिता और वत्सल की लाइफ में बच्चे के आने से काफी बदलाव आया है। वत्सल ने एक वीडियो शेयर कर बताया कि उनकी रातों

की नींद उड़ गई है। अब रात के साढ़े तीन बजे तक उन्हें जागना पड़ रहा है। वीडियो में इशिता अपने बेटे को रात में चुप करवाने की कोशिश करती हुई नजर आ रही हैं। वहीं वत्सल भी अपनी नींद से उठकर इस पल को कैमरे में कैप्चर कर रहे हैं। इशिता और वत्सल के चेहरे को देखकर लग रहा है कि वह काफी थक गए हैं और उन्हें नींद आ रही है। लेकिन अब बच्चे के लिए तो जागना ही पड़ेगा। बेबी के आने के बाद से इस जोड़ी के घर में खुशियों का माहौल है। इस पल का वत्सल और इशिता कब से इंतजार कर रहे थे। कपल की शादी के 6 साल बाद उनके घर किलकारियां गूंजी है। इशिता ने अपने मां बनने के सफर के खूबसूरत पलों को कैमरे में कैप्चर किया हुआ है। प्रेगनेंसी के दौरान एक्ट्रेस ने जमकर मैटरनिटी शूट भी करवाए थे।

श्वेता तिवारी ने कराया ग्लैमरस फोटोशूट

श्वेता तिवारी अपनी फिटनेस और बोल्ड फोटोशूट के लिए जानी जाती हैं। सोशल मीडिया पर श्वेता तिवारी ने एक से बढ़कर एक सिजलिंग फोटोशूट शेयर करती रहती हैं। हाल ही में श्वेता तिवारी ने फ्लोरल ड्रेस में अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। श्वेता तिवारी के फैंस उनकी फोटोज पर खूब कमेंट्स और लाइक्स कर रहे हैं। श्वेता ने अपनी शुरूआत कसौटी जिन्दगी की सीरियल से की थी।

अंकिता ने की दूसरी बार शादी

टीवी के पॉपुलर सीरियल पवित्र रिश्ता से लोकप्रिय हुई एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे अपनी अदाओं से सभी को दीवाना बना देती हैं। अभिनेत्री आए दिन सोशल मीडिया पर खुद से जुड़ी हर एक अपडेट शेयर करती हैं। उनके फोटो से लेकर वीडियो आते ही वायरल हो जाते हैं। हाल ही में अंकिता लोखंडे ने पिंक कलर की सिमरी साड़ी में अपने पति विक्की जैन के साथ काफी रोमांटिक फोटोशूट कराया है। पिंक कलर की साड़ी में अंकिता बला की खूबसूरत लग रही है। उनकी इन फोटो पर से हर कोई अपनी नजरें नहीं हटा पा रहा है। गुलाबी रंग एक्ट्रेस की खूबसूरती में चार चांद लगा रहा है। दरअसल अंकिता ने दूसरी बार भी अपने पति विक्की जैन के साथ ही शादी रचाई है। अंकिता लोखंडे ने 2021 विक्की जैन से शादी की थी। एक्ट्रेस के पति पेशे से बिजनेसमैन हैं।अंकिता लोखंडे इन दिनों अपने हैप्पी स्पेस में हैं।

आलिया ने गैल को नमस्कार करना सिखाया

आलिया भट्ट इस समय अपने करियर के सबसे अच्छे दौर से गुजर रही हैं। उनकी पिछली पांच फिल्में सुपरहिट रही है। आलिया अब हॉलीवुड एक्ट्रेस गैल गैडोट के साथ फिल्म हार्ट ऑफ स्टोन में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म के प्रमोशन के दौरान का एक वीडियो क्लिप वायरल हो रहा है, जिसमें आलिया भट्ट गैल गैडोट को तेलुगू सिखाती नजर आ रही हैं। वीडियो में आलिया भट्ट गैल गैडोट के साथ बैठी नजर आ रही उनके सामने तेलुगू बोलती दिख रही हैं। आलिया खुद तो तेलुगू बोलती ही है गैल गडोटे से भी बुलवा रही हैं। आलिया गैल गैडोट को बताती है कि इसका मतलब नमस्ते करना होता है। आलिया और गैल गडोट का ये

वीडियो फैंस को खूब पसंद आ रहा है। आलिया भट्ट तेलुगू फिल्म आरआरआर में काम कर चुकी हैं। एसएस राजामौली के निर्देशन में बनी इस फिल्म में भी आलिया ने तेलुगू भाषा में बातचीत से सभी को इंप्रेस कर दिया था।

OZONE®
FOR A SAFER WORLD
GLASS FITTINGS

JAB GLASS KI HO BAAT
SIRF OZONE FITTINGS KA SAATH

GLASS KA BETTER HALF

Modern Design
Superior Finish
Certified International Quality

Visit website for more details

+91 9310012300 | Email: customercare@ozone-india.com | Website: www.ozone-india.com